7.1.11

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस
संगोष्ठी
दिनांक 8 मार्च 2019
आयोजनकर्ता
मेदिनीनगर
बेहतरी
के
लिए
संतुलन

7.1.9

7.1.9

मेदिनीनगर

आज का दिन 1835 में पश्चिम बंगाल में कलकत्ता मेडिकल कॉलेज शुरू हुआ।

रजमनडीह में विधायक राधाकृष्ण किशोर और कुलपति ने किया शिलान्यास

छतरपुर अनुमंडल को मिला पहला सरकारी डिग्री कॉलेज

छतरपुर | प्रतिनिधि

छतरपुर और नौडीहा बाजार प्रखंड की सीमा पर बटाने नदी के किनारे रजमनडीह गांव के पास बन रहे प्रस्तावित सरकारी डिग्री कॉलेज के भवन निर्माण के लिए बुधवार को भूमि पूजन किया गया।

विधायक सह सत्ता पक्ष के मुख्य सचेतक राधाकृष्ण किशोर और एनपीयू के कुलपति प्रो. सत्येन्द्र नारायण सिंह ने भूमिपूजन सह शिलान्यास करते हुए कहा कि रजमनडीह में कॉलेज बनने का फायदा छतरपुर और नौडीहा ब्लॉक के युवाओं को बराबर मिलेगा। कॉलेज का भवन का निर्माण 14.58 करोड़ रुपये की लागत से होगा। कॉलेज की दूरी की दूरी छतरपुर शहर से लगभग नौ किलोमीटर और नौडीहा बाजार कस्बे से पांच किलोमीटर होगी। अवस्थित डिग्री कॉलेज की मांग छतरपुर-नौडीहा की जनता लंबे अरसे से थी। सभा को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि

शिलान्यास के दौरान विधायक राधाकृष्ण किशोर, कुलपति प्रो. एस एन सिंह और अन्य।

आजादी मिलने के करीब 72 वर्षों के बाद इस इलाके में सरकारी डिग्री कॉलेज खोले जाने का सर्वाधिक फायदा बेटियों को मिलेगी। मैट्रिक करने के बाद उनकी पढ़ाई अमूमन छूट जाती है। प्रतिभा होने के बावजूद अवसर की कमी के कारण वे पीछे छूट जाती थी। उन्होंने कहा कि इलाके के विकास के लिए वे एक मूर्तिकार की तरह काम करना चाहते हैं और उसी दिशा में वे लगातार प्रयत्नशील हैं। सड़क, सिंचाई तथा सुरक्षा के मामले में तेजी से काम हुआ है और अब शिक्षा के क्षेत्र में पहल तेज हो गयी।

नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्येन्द्र नारायण सिंह ने कहा कि सरकारी नीतियों के तहत सभी विधानसभा क्षेत्र में एक-एक डिग्री कॉलेज खोले जा रहे हैं। अब सरकार ने तय किया है लड़कियों को बिल्कुल मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। इस कॉलेज में

भूमि पूजन

- छतरपुर-नौडीहा प्रखंड की सीमा पर कॉलेज के लिए भूमि पूजन
- कॉलेज का भवन 14.58 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा

भी पढ़ाई की शुरूआत शीघ्र ही की जाएगी। मौके पर प्रति-कुलपति प्रो मदन कुमार पोद्दार, कुल सचिव डॉ राकेश कुमार, ओएसडी डॉ महेन्द्र राम, डीन साइंस सह डिग्री कॉलेज मनिका के प्राचार्य डॉ महेन्द्र राम, भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता मनोज झा, सहायक अभियंता अशोक कुमार सिन्हा, छतरपुर एसडीओ योगेन्द्र ठाकुर, सीओ राकेश कुमार तिवारी, नौडीहा के सीओ, भाजपा नेता प्रशांत किशोर, नरेश यादव, होरेन्द्र सिंह, अशोक सोनी, सुधीर सिन्हा, नौडीहा के प्रमुख कुलवंत देवी ने भी अपने विचार रखा और सरकार की पहल की सराहना की।

कदाचार में मैट्रिक-इं[illegible] परीक्षा से 10 निष्कासि[illegible]

सख्ती

मेदिनीनगर | प्रतिनिधि

जैक द्वारा संचालित मैट्रिक-इंटर परीक्षा में बुधवार को 10 परीक्षार्थियों को कदाचार के आरोप में परीक्षा से निष्कासित किया गया। प्रथम पाली में आयोजित मैट्रिक की सामाजिक विज्ञान की परीक्षा से अपग्रेड हाई स्कूल पाटनपुटाज परीक्षा से कदाचार के आरोप में दो परीक्षार्थियों को निष्कासित किया गया।

वहीं द्वितीय पाली में आयोजित इंटर की भूगर्भविज्ञान और मनोविज्ञान की परीक्षा से जनता शिवरात्रि कॉलेज परीक्षा केन्द्र से आठ परीक्षार्थियों को निष्कासित किया गया। मैट्रिक परीक्षा में 39,823 परीक्षार्थियों में 39,325 परीक्षार्थी उपस्थित हुए, जबकि 498 परीक्षार्थी विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर अनुपस्थित थे। वहीं इंटर परीक्षा में 8984 परीक्षार्थियों में 8810 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 131 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

बुधवार की परीक्षा सभी केन्द्रों शांतिपूर्ण रही। उपायुक्त ने मेदिनीनगर ब्राम्हण हाई स्कूल परीक्षा केन्द्र औचक निरीक्षण किया जाती [illegible]

कार्रवाई

- मैट्रिक के दो [illegible] परीक्षार्थी नि[illegible]
- इंटर इ[illegible] केन्द्र से [illegible]

घर से ही लैंगिक विभेद दूर करने का प्रयास करें

अभियान

मेदिनीनगर | संवाददाता

जीएलए कॉलेज में जेंडर संवेदनशीलता विषयक कार्यशाला बुधवार को हुआ। इसमें यूजीसी की तरफ से सभी शैक्षणिक संस्थानों में समान-सालैंगिकता के प्रति संवेदनशीलता का भाव उत्पन्न कर स्वस्थ वातावरण बनाने के संकल्प को लागू करने पर विमर्श किया गया।

यूजीसी के इस क्रांतिकारी अभियान के तहत जीएलए कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में सभी विभागों के छात्र-छात्राओं ने सक्रियता से भाग लिया।

कार्यशाला

- जीएलए कॉलेज में जेंडर विषयक कार्यशाला का आयोजन
- यूजीसी ने इस क्रातिकारी अभियान की शुरुआत की है

साथ ही प्रश्नोत्तरी के माध्यम से संबंधित जानकारी हासिल किया। कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को घर, कार्यस्थल व शैक्षणिक संस्थानों में एक-दूसरे के प्रति स्वस्थ व सामंजस्यपूर्ण माहौल बनाने के प्रेरित किया गया।

अध्यक्षता एनपीयू के राजनीति विज्ञान की अध्यक्ष डॉ. अनिता सिन्हा ने की। उन्होंने कहा कि महानगरों में लैंगिक संवेदनशीलता शीलता तो ठीक है परंतु छोटे शहरों और गांवों में लड़के-लड़कियों के बीच विभेद बहुत ज्यादा है। डॉ. दिलीप कुमार ने इस असमानता पर अपनी सहमति जताते हुए लड़के-लड़कियों को संवेदनशील व्यवहार को अपनी आदत बनाने पर जोर दिया। डॉ. ऋचा सिंह ने कहा कि संविधान में समानता दी गयी है और नारी सशक्तिकरण जैसे मुद्दे भी बहुत चलन में रहे हैं पर समाज में स्त्री-पुरुष समानता नहीं आ सकी है।

इसीलिए जेंडर शब्द अधिक लोकप्रिय हो चला है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरुष दोनों के तमाम मुद्दों के प्रति लोगों को संवेदनशील बनाने की बात की जाती है। जेंडर संवेदनशीलता पाठ्यक्रम का हिस्सा होना चाहिये। डॉ. विभा शंकर ने कहा कि लैंगिक असंवेदनशीलता की शुरुआत घर से ही हो जाती है।

डॉ. मंजू सिंह ने कहा कि सिर्फ लड़के-लड़कियों के बीच समानता की बात ही नहीं करनी है बल्कि इसे अपने जीवन में उतारना भी है। इतिहास के प्राध्यापक डॉ. सौरभ ने कहा कि प्राचीन काल से ही यह असमानता रही है जिसकी वर्तमान संदर्भ में समाप्त जरूरी है। कार्यक्रम में प्रो. लीना कुमारी, डॉ. गोविंद तिवारी, डॉ आरके झा, डॉ. सुनीता आदि ने सक्रिय भागीदारी निभायी।

हरिहरगं[illegible] रुपए से

हरिहरगंज/पिपरा

हरिहरगंज के [illegible] विद्यालय के [illegible] की लागत से [illegible] शिलान्यास [illegible] कुशवाहा [illegible] मैते [illegible]

एनएच 75 जाम करने में 25 नामजद समे[illegible]

[illegible]वा | जिला प्रतिनिधि

[illegible]जना मोड़ स्थित अंबेडकर की [illegible]मा तोड़े जाने को लेकर शनिवार को [illegible]मा के सामने एनएच 75 जाम करने [illegible]

को असामाजिक तत्वों तोड़ने के अलावा चेहरे को भी विकृत कर दिया था। उससे नाराज लोगों की काफी भीड़ जमा हो गई थी। उसकी सूचना तत्काल एसडीओ को दी गई।

सूचना मिलने पर एसडीओ प्रदीप [illegible] तिवारी

7.1.9

महिला जागरूकता कार्यशाला
दिनांक :- 17.12.2019
समय :- दोपहर 12 बजे।
स्थान :- जी० एल० ए० कॉलेज, कक्ष संख्या-16
जी० एल० ए० कॉलेज
मेदिनीनगर,
पलामू
महिला थाना